सामाजिक विज्ञान

कक्षा 6

Chapter 14: हमारे आस-पास की आर्थिक गतिविधियाँ

To get notes visit our website

mukutclasses.in

प्रश्न, क्रियाकलाप और परियोजनाएँ

प्रश्न 1. प्राथमिक क्षेत्रक क्या है? यह तृतीयक से किस प्रकार भिन्न है? दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर:- प्राथमिक क्षेत्रक उन आर्थिक गतिविधियों से संबंधित होता है जो प्राकृतिक संसाधनों के सीधे दोहन पर आधारित होती हैं। इसमें वे उद्योग शामिल होते हैं जो कच्चे माल को प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त करते हैं, जैसे कृषि, मत्स्य, खनन और वानिकी।

तृतीयक क्षेत्रक (Tertiary Sector) से भिन्नता:-

1. प्राथमिक क्षेत्रक प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर केंद्रित होता है, जबकि तृतीयक क्षेत्रक सेवाओं और वितरण पर आधारित होता है।
2. प्राथमिक क्षेत्रक में भौतिक श्रम और प्राकृतिक संसाधनों की आवश्यकता होती है, जबकि तृतीयक क्षेत्रक में कौशल और ज्ञान-आधारित सेवाएँ महत्त्वपूर्ण होती हैं।

उदाहरण:
प्राथमिक क्षेत्रक: कृषि (गेहूं की खेती), खनन (कोयला निकालना)
तृतीयक क्षेत्रक: बैंकिंग सेवाएँ, परिवहन (बस, रेलवे)

प्रश्न 2. द्वितीयक क्षेत्रक किस प्रकार से तृतीयक क्षेत्रक पर निर्भर है? उदाहरणों द्वारा समझाइए।

उत्तर:- द्वितीयक क्षेत्रक की तृतीयक क्षेत्रक पर निर्भरता:-

1. **परिवहन और लॉजिस्टिक्स:** एक कार निर्माण कंपनी (द्वितीयक क्षेत्रक) को कच्चे माल (स्टील, रबर) लाने और तैयार कारों को बाजार तक पहुँचाने के लिए परिवहन सेवाओं (तृतीयक क्षेत्रक) की आवश्यकता होती है। उदाहरण: टाटा मोटर्स को वाहनों को देश-विदेश में भेजने के लिए ट्रांसपोर्ट और शिपिंग सेवाओं की जरूरत होती है।

2. **विपणन और बिक्री:** द्वितीयक क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं को बेचने के लिए विज्ञापन, ब्रांडिंग और बिक्री सेवाओं (तृतीयक क्षेत्रक) की जरूरत होती है। उदाहरण: पेप्सी और कोका-कोला जैसी कंपनियाँ अपने उत्पादों की बिक्री के लिए मार्केटिंग एजेंसियों की मदद लेती हैं।

3. **बैंकिंग और वित्त:** कंपनियों को उत्पादन और विस्तार के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों (तृतीयक क्षेत्रक) से ऋण लेना पड़ता है। उदाहरण: एक स्टील फैक्ट्री को नई मशीनें खरीदने के लिए बैंक से लोन लेना पड़ सकता है।

4. **आईटी और संचार सेवाएँ:** उत्पादन, प्रबंधन और ग्राहक सेवा के लिए आईटी और टेलीकॉम सेवाओं (तृतीयक क्षेत्रक) की जरूरत होती है। उदाहरण: ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उत्पाद बेचने के लिए कंपनियाँ डिजिटल मार्केटिंग और वेब सेवाओं का उपयोग करती हैं।

निष्कर्ष: द्वितीयक क्षेत्रक बिना तृतीयक क्षेत्रक के सुचारू रूप से कार्य नहीं कर सकता। उसे अपने उत्पादों के निर्माण, वितरण, विपणन, वित्तीय सहायता और संचार के लिए तृतीयक क्षेत्रक पर निर्भर रहना पड़ता है।

प्रश्न 3. प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों के बीच परस्पर निर्भरता का एक उदाहरण दीजिए। इसको प्रवाह चित्र (फ्लोचार्ट) का प्रयोग करते हुए समझाइए।

उत्तर:- प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों की परस्पर निर्भरता का उदाहरण: "कपड़ा उद्योग"

1. प्राथमिक क्षेत्रक (Primary Sector): कच्चे माल का उत्पादन होता है, जैसे कपास की खेती।
2. द्वितीयक क्षेत्रक (Secondary Sector): कपास को कपड़े में परिवर्तित किया जाता है, यानी वस्त्र उद्योग में कपड़े बनाए जाते हैं।
3. तृतीयक क्षेत्रक (Tertiary Sector): तैयार कपड़ों को बाजार तक पहुँचाने, बेचने, विज्ञापन और परिवहन जैसी सेवाओं की जरूरत होती है।

विस्तृत प्रवाह चित्र:

[कपास की खेती] → (कच्चे माल की आपूर्ति) → [कपड़ा मिलों में धागा और कपड़ा बनना] → (निर्माण और प्रसंस्करण) →

[थोक व्यापारी और खुदरा विक्रेता] → (विपणन और बिक्री) → [ग्राहक तक पहुँचता है]

निष्कर्ष:

यदि प्राथमिक क्षेत्रक (कपास की खेती) न हो, तो कपड़ा उद्योग बंद हो जाएगा।
यदि द्वितीयक क्षेत्रक (वस्त्र निर्माण) न हो, तो कच्चा माल बेकार हो जाएगा।
यदि तृतीयक क्षेत्रक (परिवहन और बिक्री) न हो, तो तैयार कपड़े उपभोक्ताओं तक नहीं पहुँच पाएँगे।
इस प्रकार, ये तीनों क्षेत्रक एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं और मिलकर अर्थव्यवस्था को चलाते हैं।

MUKUTclasses